बंगाली बिहारी दोनों ने मेरी बुर फाड़ी-3

“रेणुका मैंने मम्मी से इंग्लिश में बात तो क़ी, पर सारी घटना के बारे में कुछ भी नहीं बताया। फिर मैंने रामदीन को यह कहते हुए फोन थमा दिया कि मम्मी उससे कुछ बात करेंगी। ‘हाँ मेमसाहिब.. आप फिकर क्यूँ करती हैं, मैं बिटिया का अच्छी तरह से ख्याल रखूँगा !रात को उसे अच्छे […] ...”

Story By: (renuka)
Posted: Friday, August 1st, 2014
Categories: नौकर-नौकरानी
Online version: बंगाली बिहारी दोनों ने मेरी बुर फाड़ी-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

का मैं पुलिस में डायरी लिखाएगा !’

‘नहीं.. अंकल, ऐसा मत करना.. आप जब कल मेरी बिल खोद रहे थे, तब उसने फोटो खींच ली है !’

‘लेकिन पिंकी.. तुम नहीं जानती, तेरे को बच्चा हो गया तो तुम क्या करेगी ?’

उसने मुझे एक डर दिखाया जो कि लड़कियों की बहुत बड़ी मजबूरी है।

यह बात सुन कर मैं बहुत घबरा गई थी।

तब वो बदमाश सान्याल अंकल मेरी पीठ पर हाथ रख कर मुझे दिलासा देने लगे, फिर मेरी चूची धीरे-धीरे दबाने लगे और कह रहे थे- रामदीन ने तुझे चोदा है, यह तो बहुत अच्छा हुआ.. अब मैं भी तो तुझे चोद कर तेरी जवान चूत का मज़ा ले लूँ.. कई सालों से तुझे चोदने के सपने देख रहा हूँ !

अंकल की बात सुन कर मुझे पता चला कि रामदीन सही था। रामदीन शुरू में बहुत ही तरीके से मुझे चोदा था और जब उसे पता चल गया कि मैं आराम से उसका बड़ा और मोटा लंड अपनी चूत में लेने लग गई हूँ, तभी वह एक हब्शी बना था। सच पूछिए तो चोदते समय उसका मुझे कुतिया और रंडी कहना अच्छा लग रहा था।

फिर अंकल मुझे घर में ले गए जो आज भी खाली था, पता नहीं बंगाली अंकल ने अपनी बीवी को कहीं भेज दिया होगा।

खैर.. उन्होंने मुझे नंगी कर लिया और मेरे को कस कर चोदा। वे मेरे बाप की उम्र के थे और मेरे पिताजी के अच्छे दोस्त होने का दिखावा भी बहुत करते थे पर उनकी ग़ैरहाज़िरी में उनकी बेटी को एक रन्डी की तरह चोद भी रहे थे।

फिर उसने मुझे एक गोली दी और कहा- इसको कहा लेना इससे मेरे बच्चा नहीं ठहरेगा।

उसने मुझे समझाया- रामदीन अब मुझे तब तक चोदेगा, जब तक मेरे मम्मी-पापा नहीं आ जाते। इसलिए दवा लेनी ज़रूरी है।

पर मैं समझ गई कि अंकल भी मुझे तब तक चोदेंगे और ये बदमाश अंकल कोई रिस्क लेना नहीं चाहते।

फिर मैं वहाँ अंकल से चुदवा कर अपने घर पहुँची, जहाँ रामदीन दरवाजे के बाहर खड़ा मेरा इंतज़ार कर रहा था।

'क्यों कुतिया अपने प्यारे अंकल से भी चुदवा आई ! अरे यह तो होना ही था.. अगर मैं कल उस वक़्त नहीं पहुँचता, तो वो हरामी तुझे कल ही चोद देता.. कोई बात नहीं ! जब एक रोटी हो और दो भूखे हों, तो बाँट कर खाने में ही अकलमंदी है। दोनों मिल कर तेरी चूत चोदेंगे.. ठीक है ना !'

'तुम्हें इससे क्या मतलब ?'

यह सुनकर रामू चाचा ने मेरे बाल पकड़ लिए और मुझे बेडरूम में ले गया।

'मैं तुझे अभी बताता हूँ.. मेरा इससे क्या मतलब है !'

उसने न तो मुझे खाने के लिए पूछा और धोती से अपना लंड निकाल कर मुझे दिखाते हुए कहा- चूस इसे.. रंडी चूस ! आज तेरी भूख इसी से मिटाऊँगा।'

'नहीं.. रामदीन चोदना है तो चोद ले.. लेकिन मुँह में नहीं लूँगी !' मैंने लंड की ओर से मुँह फेरते हुए कहा।

'अर..री कुतिया.. अपनी चूत को तो.. तू अभी अपने अंकल के लौड़े का रस पिला कर लाई है। अब मेरा रस भी सटक कर देख !'

यह कह कर उसने मेरे बाल पकड़ लिए और मुझे लंड की तरफ नीचे झुकाने लगा और मेरी चूची को बेरहमी से दबाते हुए बोला- चूस कुतिया.. चूस.. इसे अपने मुँह में ले... अभी कल तक तो तू मेरा अँगूठा कितने प्यार से चूसती थी.. अब तू लंड लेने लायक हो गई है, अब इसे चूस ! उसी तरह चूस.. जैसे बचपन में तू मेरा अँगूठा चूसती थी !'

मेरे पास और कोई चारा नहीं था और मैंने आँख बंद करके उसके लंड को अपने मुँह में ले लिया। तब वह उत्तेजना के मारे मेरी चूची को और ज़ोर से दबाने लगा।

'मेरी चूची को ऐसी बेदर्दी से क्यों दबाते हो.. मैं चूस तो रही हूँ ना ?'

'तेरा दाँत मेरे लौड़े पर लग रहा था.. जब-जब तेरा दाँत मेरे लौड़े पर लगेगा, मैं तेरी चूची को मसल डालूँगा.. ध्यान से चूस !' वह मुझे लौड़ा चुसाता रहा, जब तक उसका लंड मेरे

मिल गई। वह रात एक कटोरी में तेल ले मेरे कमरे में आया।
उसे देखते ही मैंने पूछा- रामदीन तुम तेल क्यों लाए हो ?'
'कुतिया.. जब मैं तेरे छोटे से छेद में अपना मोटा लौड़ा डालूँगा, तो दर्द को कुछ कम करने के लिए तेल लगाऊँगा !'
'मेरी चूत के छोटे से छेद में !अरे तूने तो मेरे छोटे से छेद को चोद-चोद कर, क्या कहा था तूने पहली बार.. हाँ, इंडिया गेट बना दिया है.. अब उसमें क्या दर्द होगा ?'
'रंडी.. तू समझी नहीं.. मैं तेरी चूत के छेद की बात नहीं.. तेरी गाण्ड के छेद की बात कर रहा हूँ !साली की इस उम्र में भी कितनी गान्ड फूल गई है.. तुम साले पैसे वाले क्या खाते हो, जो अभी से ही औरत सी गान्ड हो गई है !'
रामदीन के बात मेरी समझ में आते ही मैं बोल पड़ी- नहीं.. रामदीन, तू मेरी गाण्ड नहीं मारेगा। मैं दर्द के मारे मर जाऊँगी !'
'अरे कुतिया.. इसी लिए तो तेल लेकर आया हूँ.. चल कपड़े उतार कर पलंग पर कुतिया की तरह खड़ी हो ज़ा !'
मैं भी इस नए मज़े के लिए कुछ उत्सुक थी और पलंग पर हाथ रख कर हवा में गाण्ड उठा दी।
पहले रामू चाचा ने मेरी गाण्ड ठीक से तेल से चुपड़ दिया और फिर गाण्ड के छेद पर तेल ठीक से मला और अपनी उंगली उसमें घुसाने लगा।
जब उसकी उंगली मेरी गाण्ड में ठीक से अन्दर-बाहर होने लगी तो उसने वहाँ अपना लंड टिका दिया और कुछ देर रगड़ एक धक्का भीतर दिया।
मैं दर्द से बिलबिला उठी- आययययईई.. ओह मम्मी मैं मर गई !रामदीन.. तुमने मेरी फाड़ डाली !
पर उसने मेरे चिल्लाने पर कोई ध्यान नहीं दिया और कुछ देर बाद उंगली की ही तरह वह लंड से भी मेरी गाण्ड मारने लगा।
'बिटुआ मज़ा आ गया… तेरी गाण्ड तो बहुत तंग है.. ऐसा लगा मैं तेरी कोरी चूत फिर से

चोद रहा हूँ !'

'मुझे बहुत दर्द हुआ और बिल्कुल अच्छा नहीं लगा !' मैंने रुआंसे स्वर में कहा।

'कोई बात नहीं... दो चार बार गाण्ड मारूँगा तो वो भी तेरी चूत की तरह खुल जाएगी और तुझे मज़ा आने लगेगा।'

फिर उसने मेरी चूत भी चोदी और 11 बजे के करीब मम्मी-पापा आ गए।

फिर तो यह सिलसिला चल पड़ा। जब भी मम्मी-पापा घर पर नहीं होते, रामदीन मुझे चोदता और मेरी गाण्ड मारता। जब माँ घर पर होती, तो मैं अंकल के पास कैरम खेलने का बहाना करके वहाँ चली जाती और अंकल से मज़ा लूटती।

आप लोगों को मैंने अपनी यह सच्ची कहानी सुना दी है। मुझे नहीं मालूम कि आप लोगों को कैसी लगी।

फिर भी मेरी आपसे यही इल्तजा है कि आप ईमेल जरूर कीजिए।

fatibur@yahoo.co.in

Other stories you may be interested in

भाई बहनों की चुदक्कड़ टोली-4

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मेरी बड़ी दीदी हेतल ने मेरी छोटी बहन मानसी के सामने मेरी जवानी करतूतों की सारी पोथी खोल कर रख दी थी. मगर मुझे अब किसी बात का डर नहीं था क्योंकि […]
Full Story >>>

प्यारी भाभी संग जीवन का पहला सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है. मैं गुजरात में भावनगर से हूँ. हालांकि अब मैं सूरत में रहता हूँ. यह मेरी पहली कहानी है. मुझे लिखना नहीं आता है, इसलिए थोड़ा ऊपर नीचे हो जाए, तो मुझे मेल करके जरूर […]
Full Story >>>

सहेली के पति के साथ रात में चुदाई

मेरा नाम नेहा है. मैं अपनी सहेली के पति से अपनी चुदाई की कहानी आपको बताने जा रही हूँ. मुझे उम्मीद है कि आपको मेरी कहानी पसंद आएगी. मैं जवान लड़की हूँ और सेक्सी जिस्म की मालकिन भी हूँ. मुझे […]
Full Story >>>

जिगोलो बन कर भाभी की जवानी की प्यास बुझाई

नमस्कार दोस्तो ! मेरा नाम मनोज है। मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ और रोज़ अन्तर्वासना की कहानियाँ पढ़ कर अपना पानी निकालता था। और जब भी पानी निकल जाता था तो सोचता था कि ऐसा कैसे हो सकता है कि […]
Full Story >>>

भाभी की कुंवारी बहन की सीलतोड़ चुदाई

अन्तर्वासना के सभी दोस्तों को मेरा प्रणाम, मेरा नाम पंकज सिंह है. मैं पिछले 3 साल से दिल्ली में पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरी उम्र अभी 24 साल है. मेरा कद 5 फुट 9 इंच है. मैं गोरे रंग का […]
Full Story >>>